आरती श्री बालाजी की

ॐ जय हनुमत वीरा स्वामी जय हनुमत वीरा ।
संकट मोचन स्वामी तुम हो रणधीरा ।।
पवन-पुत्र अंजनी -सुत महिमा अति भारी ।
दुःख दारिद्र्य मिटाओ संकट भय हारी ।।
बाल समय मे तुमने रवि को भक्ष लियो ।
देवन स्तुति कीन्हीं तुरतहिं छोड़ दियो ।।
कपि सुग्रीव राम संग मैत्री करवाई ।
अभिमानी बलि मेट्यो कीर्ति रही छाई ।।
जारि लंक सिय -सुधि ले आए ,वानर हर्षाये ।
कारज कठिन सुधारे रघुबर मन भाये ।।
शक्ति लगी लक्ष्मण को भारी सोच भयो ।
लाय संजीवन बूटी दुःख सब दूर कियो ।।
रामहि ले अहिरावण जब पातल गयो ।
ताहि मारि प्रभु लाये जय जयकार भयो ।
राजत मेहंदीपुर में दर्शन सुखकारी ।
मंगल और शनिश्चर मेला है जारी ।।
श्री बालाजी की आरती जो कोइ नर गावे ।
कहत इन्द्र हर्षित मन वांछित फल पावे ।।

विवरण

सभी संकट को दूर करने वाले तथा रणक्षेत्र में धैर्य रखने वाले वीर हनुमान जी की जय हो । इस वायु देवता और माँ अंजनी के पुत्र की महिमा बड़ी ही भारी है। ये दुःख एवं दरिद्रता को मिटाने वाले हैं तथा संकट के समय उत्पन्न होने वाले भय का निवारण करते हैं ।

बचपन मे इन्होनें सूर्य भगवान को ही निगल लिया था, तब देवताओं द्वारा स्तुति करने पर फिर तुरन्त इन्होनें सूर्य भगवान को छोड़ दिया ।

वानर सुग्रीव की
आपने राम के संग मित्रता करवाई तथा अभिमानी बाली को मरवा डाला । लंका को जलाकर आपने सीता का पता लगाया, जिससे सभी वानर सेना बहुत ही खुश हुई। सभी कठिन कार्यों को आपने निबटाये, जिससे श्री राम जी के आप अति प्रिय हो गये ।

जब लक्ष्मण को शक्ति बाण लगी तब सभी गहरे सोच में पड़ गये, फिर आपने संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण को जिलाया, जिससे लक्ष्मण होश में आ गये तो सबके दुःख दूर हो गये । जब राम को लेकर अहिरावण पाताल में चला गया तो आपने अहिरावण को मार कर प्रभु राम जी को वापस ले आये, जिससे हर तरफ आपकी जय-जयकार होने लगी ।

मेहंदीपुर में आपका दर्शन बड़ा ही सुख देने वाला है तथा हर मंगल एवं शनिवार को मेला भी लगता है । श्री बाला जी की आरती जो भी गाता है, हर्षित मन से इन्द्र जी कह रहें हैं कि वह अपने मन के अनुसार फल भी पाता है ।

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.